A.B.M. COLLEGE ,JAMSHEDPUR

(PHILOSOPHY)

INTERMEDIATE (CHAPTER 4) in English & hindi

(स्वधर्म – अपना कर्त्तव्य)

(SWADHARM)

By DR SONI SINHA (DEPT OF PHILOSOPHY) A.B.M.COLLEGE , Jsr

प्रश्न 1) स्वधर्म किन शब्दों के मेल से बना है ?

उत्तर 1) स्वधर्म स्व और धर्म के मेल से बना है ।

Question 1) Swadharma is made up of which words?

Answer 1) Swadharma is made of the combination of SWA and DHARM.

प्रश्न 2) स्व और धर्म का क्या अर्थ था ?

उत्तर 2) स्व अर्थ है अपना और धर्म का अर्थ है कर्त्तव्य ।

Question 2) What was the meaning of Swa and Dharm?

Answer 2) Self means apna and dharma means katarvya.

प्रश्न 3) स्वधर्म किसे कहा जाता है ?

उत्तर 3) प्रत्यके व्यक्ति का जो अपना कर्त्तव्य होता है , उसे ही स्वधर्म कहा जाता है ?

Question 3) Who is called Swadharma?

Answer 3) Every person who has his own duty is called Swadharma.

प्रश्न 4) कर्त्तव्य को किन श्रेणियों में रखा जाता है ?

उत्तर 4) कर्त्तव्य को दो श्रेणियों में रखा जाता है – (१) सामान्य कर्त्तव्य (२) विशेष कर्त्तव्य

Question 4) In which categories are Kartvya placed?

Answer 4) Kartavya is placed in two categories - (1) General duty (2) Special duty.

प्रश्न 5) चार आश्रमों का नाम बतायें ?

उत्तर 5) चार आश्रमों के नाम इस प्रकार हैं ब्रह्मचर्य , गृहस्थ , वानप्रस्थ , संन्यास ।

Question 5) Name the four ashrams?

Answer 5) The names of the four ashrams are as follows Brahmacharya, Grihastha, Vanaprastha, Sanyas.

प्रश्न 6) ब्रह्मचर्य में कौन से ज्ञान प्राप्त करना मनुष्य का कर्त्तव्य है ?

उत्तर 6) ब्रह्मचर्य में तत्वज्ञान और आत्मज्ञान प्राप्त करना मनुष्य का कर्त्तव्य है ।

Question 6) What is the duty of man to get knowledge in Brahmacharya?

Answer 6) In Brahmacharya it is the duty of man to attain philosophy and enlightenment.

प्रश्न 7) गृहस्थ आश्रम में किस प्रकार के यज्ञ कर्म किये जाते हैं ?

उत्तर 7) गृहस्थ आश्रम ही वह स्थल है जहाँ पांच प्रकार के यज्ञ कर्म किये जाते हैं – ब्रह्मयज्ञ , देवयज्ञ , पितृयज्ञ , भूतयज्ञ, और नृयज्ञ ।

Question 7) What kind of Yajna deeds are performed in Grihastha Ashram?

Answer 7) Grihastha Ashram is the place where five types of Yajna deeds are performed - Brahmayagya, Devyagya, Pitrugya, Bhootyagya, and Nriyagya.

प्रश्न 8) पितरों को पिण्डदान क्या कहलाता है ?

उत्तर 8) पितरों को पिण्डदान देना पितृयज्ञ कहलाता है ।

Q-8) What is called Oblation to given to paternals fathers?

Answer 8) To give pinddaan to fathers is called Pitru Yajna.

प्रश्न 9) यज्ञ कैसे संपन्न होता है ?

उत्तर 9) तर्पण , बलिहरण और दैनिक श्राद्ध द्वारा ही यज्ञ सम्पन्न होता है ।

Q9) How is the Yajna performed?

Answer 9) Yajna is performed only through tarpan, sacrifice and daily shraadh.

प्रश्ण 10) ब्राह्मण शब्द का अर्थ ब्रह्म क्या है और किस धातु से बना है ?

उत्तर 10) ब्राह्मण शब्द का अर्थ ब्रह्म और यह ' बृह् ' धातु से बना है ।

Question 10) What is the meaning of the word Brahmin and which metal is it made of?

Answer 10) The word Brahman means Brahm and it is made of 'Briha' metal.

प्रश्न 11) वानप्रस्थ आश्रम में कैसा जीवन है ?

उत्तर 11) वानप्रस्थ आश्रम एकान्तवास में स्वाध्याय का जीवन है ।

Question 11) What is life in Vanaprastha Ashram?

Answer 11) Vanaprastha Ashram is the life of Swadhyaya in solitude.

प्रश्न 12) क्षत्रिय का क्या अर्थ है ?

उत्तर 12) क्षत्रिय का अर्थ है सुरक्षा प्रदान करने वाला ।

Question 12) What does Kshatriya mean?

Answer 12) Kshatriya means one who provides protection.

प्रश्न 13) क्षत्रियों का क्या कर्त्तव्य है ?

उत्तर 13) क्षत्रियों का कर्त्तव्य है – शास्त्र और शस्त्र का ज्ञान प्राप्त करना ।

Question 13) What is the duty of Kshatriyas?

Answer 13) The duty of Kshatriyas is to gain knowledge of scripture and weapons.

प्रश्न 14) वैश्य वर्ण का कर्त्तव्य क्या है ?

उत्तर 14) वैश्य वर्ण का कर्त्तव्य है शिक्षा ग्रहण करना (शास्त्र की नहीं) , दान देना , यज्ञ करना आदि ।

Question 14) What is the duty of the Vaishya varna?

Answer 14) The duty of the Vaishya varna is to receive education (not of scripture), donate, perform yagna etc.

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न १) बलिहरण का एक रूप है

1) ***पितृयज्ञ***

2) दैवयज्ञ

3) नृयज्ञ

4) भूतयज्ञ

प्रश्न २) गृहस्थ जीवन के कर्त्तव्य कहलाते है?

1) कर्म

2) ***यज्ञ***

3) ऋृत

4) धर्म

प्रश्न 3) सामान्य कर्त्तव्य के रूप में किन गुणों को अपनाना सभी व्यक्तियों के लिए आवश्यक है ?

1) परोपकार

2) त्याग

3) सहयोग

4) ***उपर्युक्त सभी***

प्रश्न 4) क्षत्रिय किस शब्द से बना है ?

1) शास्त्र

2) ***क्षात्र***

3) क्षत्र

4) क्षेत्र

प्रश्न 5 स्वधर्म का वास्तविक सम्बन्ध है ———————————————— ?

1) आपात धर्म

2) सामान्य धर्म

3) ***वर्णाश्रम धर्म***

प्रश्न 6 मानव जीवन में अत्यधिक महत्व है————————————?

1) ***स्वधर्म***

2) कर्म योग का

3) संकाम धर्म

4) धर्म का

प्रश्न 7 हर मनुष्य के अंदर दो तरह की प्रवृतियों पायी जाती है ————————————————?

1) दैवी और आसुरी

2) ***आसुरी और स्वयं***

3) राक्षसी और मानवी

प्रश्न 8 वर्ण चार है ————————————————?

1) वैश्य , शूद्र

2) ब्राह्मण

3) क्षत्रिय

4) ***उपर्युक्त सभी***

प्रश्न 9 सत्य या असत्य को चुने ?

1 . स्वधर्म एक सामाजिक शब्द है । ...***सत्य***

2 . सभी व्यक्तियों को सदा सत्य बोलना तथा हिंसा नहीं करना चाहिए । ***सत्य***

3 . सर्वश्रेष्ठ ज्ञान आत्म ज्ञान है । ***सत्य***

4 . ज्ञान की प्राप्ति मनुष्य का दूसरा कर्त्तव्य । ***असत्य***

5 . सन्यास आश्रम में आने के बाद मनुष्य आत्मज्ञान और धर्म ज्ञान का उपदेश देता है । ***सत्य***

6 . मनुष्य के प्रति आदर – सामान करना मनुष्य का परम कर्त्तव्य नहीं है । ***असत्य***

प्रश्न 10

1 . स्वधर्म करना आवश्यक है –––––	(a) (***विशिष्ट एवं निषिद्ध कर्म***)
2 . चारों वर्णों का गीता में विभाजन –––––	(b) (***वर्णाश्रम धर्म***)
3 . विकर्म के मुख्य अर्थ –––––––––	(c) (***गुण एवं कर्म का आधार***)
4 . उत्तम कर्म है ––––––––––	(d) (***देवयज्ञ)***
5 . बलिहरण का एक रूप ––––––––	(e) (***साध्य प्राप्ति के लिए)***
6 . स्वधर्म का वास्तविक अर्थ ––––––––	(f) (निष्काम)

उत्तर .10

1.... (e) , **2....** (c) , **3....** (a) ,**4....** (f) **5....** (d) **6....** (b)